

**Ans. (a) :** पशुगणना 2012 के अनुसार भारत के कुल पशुधन में राजस्थान का लगभग 11.27% योगदान है। 19वीं पशुगणना 2012 के अनुसार राजस्थान में पशुओं की संख्या 57.75 लाख है। पशु संसाधन की दृष्टि से राजस्थान का देश में उत्तर प्रदेश के बाद दूसरा स्थान है।

**1826. भामाशाह पशु बीमा योजना के अन्तर्गत कितने प्रतिशत अनुदान अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/बी पी एल पशुपालकों को मवेशी बीमा प्रीमियम पर प्रदान किया गया?**

- (a) 50% (b) 60%  
(c) 70% (d) 80%

**सहायक संधिकी अधिकारी-2018  
RPSC-2018**

**Ans. (c) :** भामाशाह पशु बीमा योजना के अन्तर्गत 70 प्रतिशत अनुदान अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/बी पी एल पशुपालकों को मवेशी बीमा प्रीमियम पर प्रदान किया जाता है। सामान्य श्रेणी के पशु पालकों को 50 प्रतिशत सब्सिडी प्रदान की जाती है।

**1827. निम्नलिखित में से कौन सा गौवंश का नस्ल नहीं है?**

- (a) मालवी (b) राठी  
(c) कांकरेज (d) बागड़ी

**RPSC ST-81 G.K. & Horticulture 28-10-2018**

**Ans. (d) :** “बागड़ी” भेड़ की एक नस्ल है। यह राजस्थान में मुख्यतः अलवर जिले में पायी जाती है। इस नस्ल की भेड़ का मुँह एकदम काला होता है। राजस्थान में पाई जाने वाली भेड़ की प्रमुख नस्ल मगरा भेड़, मारवाड़ी भेड़, चोकला भेड़, सोनारी भेड़, नाली भेड़ आदि।

**1828. राजस्थान में पाई जाने वाली गायों की नस्लों में निम्न में से कौन नहीं है?**

- (a) थरपारकर (b) कांकरेज  
(c) चोकला (d) रथ

**RPSC OAA-2018 Ag. Deptt (Part-1) 17-10-2022**

**Ans. (c) :** थरपारकर, कांकरेज, रथ, नागौरी, राठी आंचौरी तथा मेवाती राजस्थान में पाई जाने वाली गाय की प्रमुख नस्लें हैं। चोकला, राजस्थान के सीकर, झुंझुनु, बीकानेर, जयपुर तथा बांसवाड़ा में पाई जाने वाली भेड़ की प्रमुख नस्ल है।

**1829. ‘नाचना’ ..... की एक नस्ल है।**

- (a) गाय (b) भेड़  
(c) ऊँट (d) बकरी

**वनपाल भर्ती परीक्षा-2020 date 06.11.2020 Shift-I**

**Ans. (c) :** नाचना ऊँट की एक नस्ल है। यह जैसलमेर में सर्वाधिक पायी जाता है। इस नस्ल के ऊँट सवारी करने के लिए तथा रेतीले भाग में अपनी दौड़ क्षमता के लिए जाने जाते हैं। राजस्थान सरकार ने 30 जून, 2014 को ऊँट को राजस्थान के राज्य पशु का दर्जा दिया था।

**1830. गौवंश की कौनसी प्रजाति ‘मालाणी’ भी कहलाती है?**

- (a) कांकरेज (b) राठी  
(c) थरपारकर (d) गिर

**वन रक्षक-2020 दिनांक 12-11-2022 Shift-I**

**Ans. (c) :** भारत की सर्वश्रेष्ठ दुधरू गायों की प्रजातियों में शामिल ‘थरपारकर गाय’ राजस्थान के जोधपुर व जैसलमेर जिलों में पायी जाती है परन्तु इसकी उत्पत्ति स्थल बाड़मेर जिले के ‘मालाणी’ में होने कारण स्थानीय क्षेत्रों में इसे ‘मालाणी नस्ल’ की गाय भी कहते हैं।

**1831. निम्नलिखित में से कौन सी भेड़ की नस्ल नहीं है?**

- (a) राठी (b) चोखला  
(c) नाली (d) पुगल

**RPSC Van Rakshak Exam 11.12.2022 Shift-I**

**Ans. (a) :** ‘राठी’ भेड़ की नस्ल नहीं है, बल्कि गाय की नस्ल है। नाली, चोखला, पुगल, मगरा, जैसलमेरी, मारवाड़ी, सोनाड़ी, देशी या खेरी, मालपुरी तथा बागड़ी, भारवाड़ी नाल, भेड़ की नस्लें हैं जो राजस्थान राज्य में पायी जाती हैं।

**1832. पशुधन गणना 2019 के अनुसार राजस्थान में सर्वाधिक भैसों की संख्या वाला जिला है—**

- (a) जयपुर (b) अलवर  
(c) भरतपुर (d) उदयपुर

**प्रयोगशाला सहायक (भूगोल) – 30-06-2022**

**RPSC Van Rakshak Exam 11.12.2022 Shift-I**

**Ans. (a) :** 20वीं पशुधन गणना 2019 के अनुसार देश में कुल पशुधन आबादी 535.78 मिलियन है जो पशुधन गणना 2012 की तुलना में 4.6 प्रतिशत अधिक है। राजस्थान के कुल पशुधन में भैसों की भागीदारी लगभग 17 प्रतिशत है। राजस्थान में सर्वाधिक संख्या में भैसें जयपुर जिले में पायी जाती हैं तत्पश्चात् अलवर एवं भरतपुर जिले का स्थान है।

**1833. निम्नलिखित में से कौन सा सही सुमेलित नहीं है?**

- (a) मुर्दा – भैंस (b) सोनारी – भेड़  
(c) गोमठ – गाय (d) नाचना – ऊँट

**RPSC Van Rakshak 11.12.2020 (3 to 5 pm)**

**Ans. (c) :** गोमठ, गाय की नस्ल नहीं है, अपितु यह ऊँट की नस्ल है। ऊँट की यह नस्ल सवारी के लिए प्रसिद्ध है। जैसलमेरी ऊँट रेतीले क्षेत्र में सवारी करने और चलाने के लिए प्रसिद्ध है। बीकानेरी ऊँट बोझ उठाने के लिए प्रसिद्ध है। राजस्थान के 50% ऊँट इसी नस्ल के पाये जाते हैं। मुर्दा भैंस की, सोनारी भेड़ की, नाचना ऊँट की नस्लें हैं।

**1834. दुग्ध उत्पादन हेतु गाय की प्रसिद्ध किस्म है—**

- (a) गिर और राठी (b) राठी और नागौरी  
(c) मेवाती और मालवी (d) मालवी और थरपारकर

**Lab Asst. (Science) (II Step) 29.06.2022 Shift-I**

**Ans. (a) :** भारत में सबसे अच्छी नस्ल की दुधरू गायें राजस्थान में पाई जाती हैं। नागौरी, मालवी, थरपारकर, कांकरेज, गिर मेवाती, हरियाणवी, राठी आदि यहाँ की गाय की प्रमुख नस्लें हैं। इन नस्लों में गिर और राठी गायें दुग्ध उत्पादन हेतु प्रसिद्ध हैं। ‘राठी’ को अधिक दूध देने के कारण इसे राजस्थान की कामधेनु भी कहा जाता है।

**1835. जोड़ी मिलाइए—**

- | पशु प्रजनन केंद्र | नस्ल       |
|-------------------|------------|
| 1. डग             | A. राठी    |
| 2. चंदन           | B. थरपारकर |
| 3. नोहर           | C. मालवी   |